14. विराम-चिह्न

भाषा भावों के उतार-चढ़ाव की स्वतंत्र अभिव्यक्ति का माध्यम है। इस अभिव्यक्ति को प्रभावशाली बनाने में विराम-चिह्न महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। विराम-चिह्नों का यथा स्थान प्रयोग भाषा को व्यवस्थित, सुंदर तथा सरलता से समझने योग्य बनाता है। परंतु यदि विराम-चिह्नों के प्रयोग में त्रुटि हो जाए तो अर्थ का अनर्थ होने में भी देर नहीं लगती। अतः बच्चों को विराम-चिह्नों के प्रयोग पर अधिक ध्यान देना चाहिए।

- शिक्षक/शिक्षिका बच्चों को विराम-चिह्नों की आवश्यकता के बारे में समझाएँ। उन्हें बताएँ कि विराम-चिह्नों से बात न केवल आसानी से समझ आती है अपितु भाषा की सुंदरता भी बढ़ जाती है।
- बच्चों को बताएँ, बोलते समय बीच-बीच में रुकने का संकेत देने के लिए लिखित में कुछ चिह्न बनाए गए हैं, इन्हें ही विराम-चिह्न कहते हैं।
- बच्चों को कुछ महत्त्वपूर्ण विराम-चिह्न सिखाएँ।
- पाठ पृष्ठ पर दिए चित्रों तथा वाक्यों के माध्यम से पूर्ण विराम (।), प्रश्नवाचक चिह्न (?) तथा अल्पविराम (,) के बारे में बताएँ तथा भाषा में इन विराम चिह्नों के महत्त्व एवं प्रयोग के बारे में भी जानकारी दें।
- मौखिक रूप से भी विराम-चिह्नों का अभ्यास करवाया जा सकता है। इसके लिए पाठ में आए विराम-चिह्नों से संबंधित वाक्य बोलकर भी बच्चों से प्रश्न पूछे जा सकते हैं।
- बच्चों को पाठ अभ्यास करवाएँ।